



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 424]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 31, 1980/पौष 10, 1902

No. 424] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 31, 1980/PAUSA 10, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1980

सां० कां० निं० 732 (अ):—धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का एक प्रारूप, धान कुटाई उद्योग (विनियमन) अधिनियम, 1958 (1959 का 21) की धारा 22 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना सं० सां० कां० निं० 434(अ) तारीख 18 जुलाई, 1980 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखण्ड (i) तारीख 18 जुलाई, 1980 पृष्ठ 765-766 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से, जिस तारीख को उक्त राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी जनता को उपलब्ध करा दी गई थी पैंतालिस दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त राजपत्र 12 अगस्त, 1980 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप को बाबत प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 22 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन)

नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) संशोधन नियम, 1980 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. धान कुटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 में,—

(i) नियम 6 के उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने से पूर्व, उन शर्तों के सम्यक् पालन के लिए, जिनके अधीन उसे अनुज्ञप्ति दी जाती है, निम्नलिखित वरों पर प्रतिभूति जमा करेगा :—

(क) एकल हलर किस्म या चिरा 200 रु० की एक समान दर उत्पन्न करने वाली धान मिल पर

(ख) एकल हलर किस्म या चिरा उत्पन्न करने वाली मिलों से भिन्न धान मिलें

मिलें और उनकी सामर्थ्य:—

(i) एक टन तक, 1,000 रु०

(ii) एक टन से अधिक और दो टन तक 2,000 रु०

(iii) दो टन से अधिक और तीन टन तक 3,000 रु०

- (iv) तीन टन से अधिक और
चार टन तक 4,000 रु०
- (v) चार टन से अधिक 5,000
रु० ;”

(ii) नियम 9 के उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् —

“(2) प्रत्येक अनुज्ञापन अधिकारी को प्रत्येक मास के लिए प्रारम्भ 5 में इस प्रकार विवरणी भेजेगा कि जिसमें वह अपने मास की 5 तारीख से पूर्व अनुज्ञापन अधिकारी तक पहुँच जाए।”

(iii) अनुसूची के प्रारम्भ 5 में, विद्यमान शीर्षक के स्थान पर, निम्नलिखित शीर्षक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“को समाप्त होने वाले मास के लिए शाल्य/धान के स्टॉक, उत्पादन, निर्यात और अतिशेष की विवरणी।”

[सं० 15 (साधारण) (4)/79-डी प्रार-I-74]

के० सी० एम० आचार्य, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st December, 1980

G. S. R. 732 (E):—Whereas certain draft rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, were published as required by sub-section (1) of section 22 of the Rice-Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), at page 766 of the Gazette of India Extraordinary Part, II Section 3, Sub-section (i), dated the 18th July, 1980, under the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food), No. G.S.R. 434(E), dated the 18th July, 1980, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Official Gazette in which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 12th August, 1980;

And whereas the objections and suggestions received from the public have been considered by the Central Government;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by section 22 of the said Act, the Central Government hereby makes

the following rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1980.

(2) These shall come into force at once.

2. In the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules 1959, —

(i) in rule 6, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) Every licensee shall, before the licence is granted, deposit security at the following rates, for the due performance of the conditions subject to which the licence is granted to him :—

- | | |
|---|--------------------------------|
| (a) Single huller type or chira producing rice mill : | At a uniform rate of Rs. 200/- |
| (b) Rice Mills other than single hullers or chira producing mills : | Mills with capacity :— |

(i) upto 1 tonne Rs. 1,000/-

(ii) above 1 tonne and upto 2 tonnes Rs. 2,000/-

(iii) above 2 tonnes and upto 3 tonnes Rs. 3,000/-

(iv) above 3 tonnes and upto 4 tonnes Rs. 4,000/-

(v) above 4 tonnes; Rs. 5,000/-

(ii) in rule 9, for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely:—

“(2) Every licensee shall submit to the licensing officer a return in Form V for every month so as to reach the licensing officer before the 5th day of the next month.”

(iii) in the Schedule, in Form V, for the existing heading, the following heading shall be substituted, namely:—

“RETURN OF STOCKS, PRODUCTION, DELIVERIES AND BALANCE OF PADDY/RICE FOR THE MONTH ENDING -----.”

[No. 15(Genl.) (4)/79-D&R-I-74]

K. C. S. ACHARYA, Jt. Secy.

